भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2159

जिसका उत्तर 12.02.2026 को दिया जाना है

एनएचएआई के राजस्व मॉडल में सुधार

2159. श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) का मौजूदा कुल ऋण कितना है;

(ख) वर्ष 2014 से एनएचएआई के ऋण में वर्ष-वार कितनी वृद्धि हुई है;

(ग) क्या सरकार ने बढ़ते ऋण बोझ को राष्ट्रीय राजमार्ग विकास की दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता के लिए एक जोखिम के रूप में आकलित किया है;

(घ) उधार पर निर्भरता कम करने और एनएचएआई के राजस्व मॉडल में सुधार के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और

(ङ) क्या एनएचएआई की ऋण चुकाने की क्षमता और भविष्य की देनदारियों का मूल्यांकन करने के लिए कोई स्वतंत्र वित्तीय समीक्षा की गई है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) 31 जनवरी, 2026 तक की स्थिति के अनुसार, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ऋण देनदारी 2,16,624 करोड़ रुपये है।

(ख)

वर्ष	प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में बकाया राशि (करोड़ रुपये में)	वर्ष-वार वृद्धि (%)
2014-15	24,188	--
2015-16	44,567	84.25%
2016-17	74,742	67.71%
2017-18	1,21,931	63.14%

2018-19	1,78,867	46.70%
2019-20	2,48,281	38.81%
2020-21	3,06,703	23.53%
2021-22	3,48,522	13.64%
2022-23	3,42,802	-1.64%
2023-24	3,35,173	-2.23%
2024-25	2,44,539	-27.04%
2025-26	2,16,624	-11.42%

(ग) सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कई उपाय किए हैं कि ऋण का बोझ राष्ट्रीय राजमार्ग विकास की दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता के लिए कोई जोखिम उत्पन्न न करे।

एनएचएआई ने अक्टूबर, 2022 के बाद से उधार के माध्यम से कोई धनराशि नहीं जुटाई है।

इसके अतिरिक्त, हाल के वर्षों में एनएचएआई को बजटीय सहायता बढ़ती हुई प्रवृत्ति का रहा है। इसके अतिरिक्त, सरकार ने अपनी वित्तपोषण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए टोल-संचालन-हस्तांतरण (टीओटी) और अवसंरचना निवेश न्यास (इनविट) के माध्यम से परिसंपत्ति मुद्रीकरण जैसे वैकल्पिक वित्तपोषण कार्य तंत्रों को अपनाया है।

(घ) उधार पर निर्भरता को कम करने के लिए उठाए गए कदम जिसमें टीओटी और इनविट मॉडल के माध्यम से संचालन राजमार्ग परिसंपत्तियों का मुद्रीकरण शामिल है।

(ङ) एनएचएआई अपनी आंतरिक वित्तीय प्रबंधन और वैधानिक रिपोर्टिंग प्रक्रिया के एक भाग के रूप में अपनी वित्तीय स्थिति का नियमित रूप से आकलन करता है। इसमें इसकी ऋण सेवा क्षमता और देनदारियां शामिल हैं। एनएचएआई के वित्तीय विवरणों का ऑडिट भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा किया जाता है, जिसमें वित्तीय निष्पादन, ऋण स्तर और आकस्मिक देनदारियों की जांच शामिल है।

*****